

शैक्षिक समाजशास्त्र अनुसंधान के अन्तर्गत समाजशास्त्रीय अध्ययन के तहत शैक्षिक प्रक्रियाओं, शैक्षिक परिस्थितियों एवं तत्सम्बन्धी समस्याओं का समाजशास्त्रीय उपागम द्वारा विश्लेषण एवं मूल्यांकन प्रमुख मुद्दा होता है। इधर के पाँच दशकों में कई नवीन तथ्योलियों देखने को मिलती हैं, जिससे इनकी उपयोगिता नवीन अन्तर्दृष्टि जनित करने की क्षमता एवं शिक्षा की प्रक्रिया (Process) एवं विषय वस्तु (Content) को प्रभावी रीति से जानने, समझने एवं मूल्यांकित करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। शैक्षिक समाजशास्त्रीय अनुसंधान के तहत उपलब्ध सामाजिक एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक तत्वों के अध्ययन पर बल देता है जिससे शिक्षा के सामाजिक निहितार्थों के सम्बन्ध में जानकारी एवं सूझ बूझ बढ़ सके।

### Educational Research Issues in Sociological Orientation समाजशास्त्रीय उन्मुखीकरण में शैक्षिक अनुसंधान

- (1) शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रियाओं-औपचारिक अर्थात् औपचारिक एवं आनुवंशिक के तहत विविध प्रकार की सामाजिक अन्तर्क्रियाओं का अध्ययन।
- (2) शैक्षिक पाठ्यक्रमों एवं शैक्षिक योजनाओं का सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण।
- (3) शैक्षिक नीतियों का सामाजिक एवं राष्ट्रीय सन्दर्भ में निहितार्थों का समाजशास्त्रीय अध्ययन।
- 4 अनुशासनहीनता एवं विद्यार्थी असन्तोष की समस्याओं का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण।
- 5 विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों द्वारा गठित आवासीय व्यवस्थाओं में विद्यार्थी तनाव, असन्तोष एवं समंजन की समस्याओं का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण।